1. संदर्भ साहित्य

1. जैव विविधता के संरक्षण में धार्मिक मान्यताएँ 2015 : लेखक सुशील कुमार शर्मा।
2. वन वृक्षों का पर्ण आधारित अभिज्ञान : 2014 : वी.एस. सक्सेना, देवेन्द्र कुमार भारद्वाज।
3. मार्गदर्शिका, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम 2001 तथा जैव विविधता अधिनियम 2002, इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर (छतीसगढ़)।
4. मिलेनियम पारिस्थितिकी तंत्र आंकलन (2005) इकोसिस्टम एंड ह्यूमन वेल बिइंग : बायोडैवर्सिटी सिंथसिस। विश्व संसाधन संस्थान, वांशिगटन डी.सी.।
5. द रॉयल सोसाएटी 2005 परिवेशिय कार्बन–डाइ–ऑक्साइड में वृद्धि के कारण समुद्री अम्लता।
6. एम.जे.सैमवेज़ (1993) जैव विविधता संरक्षण में कीडेः कुछ दृष्टिकोण और निर्देश, जैव विविधता व संरक्षण ।
7. जैविक संसाधनो तक पहुंच और सहयुक्त जानकारी तथा फायदा बंटाना विनियम, 2014; राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड, जयपुर द्वारा प्रकाशित।
8. जैव विविधता अधिनियम, 2002, राजस्थान जैव विविधता नियम 2010; राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड, जयपुर द्वारा प्रकाशित।

9. जैव विविधता विरासतीय स्थलों के चयन, अभिसूचना जारी करने एवं प्रबंधन हेतु दिशा–निर्देश; राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड, जयपुर द्वारा प्रकाशित।

10. एडवर्ड ओ. विल्सन 1987 छोटी चीजे जो दुनिया चलाती है (अकशेरूकियो का महत्त्व और संरक्षण) कन्जर्वेशन बायॉलोजी ।

11. एम.जे. सैमवेज़ (1993) जैव विविधता संरक्षण मे कीड़े कुछ दृष्टिकोण और निर्देश; जैव विविधता और संरक्षण ।

12. टी. लॉन्गकोर और सी. रिच (2004) परिस्थितिकी प्रकाश प्रदूषण।

13. डीलेनी, गुमल, बेनेटः एशिया की जैव विविधता बाजार में अंतर्धान बायो–मेडिसिन, 2004

14. सॉटनर, बेनेट एशिया के वन्य जीवन के लिए महानतम खतरा है शिकार, वैज्ञानिकों का कहना है। बायो–मेडिसिन (2002)

15. हैन्स, जेः वन्यजीव व्यापार द्वारा विश्व में खाली जंगल सिंड्रोम का सृजन. मोंगाबे. कॉम, 19 जनवरी 2009

16. जी. श्मिट 2005, पारिस्थितिकी और मानव विज्ञान बिना भविष्य का एक क्षेत्र? पारिस्थतिकी और पर्यावरण नृविज्ञान ।

17. स्टॉफ ऑफ वर्ल्ड रिसोर्सस प्रोग्राम (1998) पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का मूल्यानः वर्ल्ड रिसोर्सस 1998–99

18. पी. करीवा. एम. मारवियर (2003) जैव विविधता शीत स्थलो का संरक्षण : अमेरिकन साइन्टिस्ट ।

19. प्रमोद के. मेर्कप; पीपल्स पार्टिसियेशन इन फॉरेस्ट प्रोटेक्शन, इंडियन फॉरेस्टर ।

20. अशोक कुमार तिवारी (2014) (रीविज़िटिंग वेजिटेबल्स टू कॉम्बैट मॉर्डन एपिडेमिक ऑफ इम बैलेन्स ग्लूकोज़ हॉम्योस्टैटिस;)

21. ब्लैटर ई. (1908) फ्लोरा ऑफ बॉम्बे प्रोजीडेंसी; स्टैटिस्टिकल एण्ड बायोलॉजिकल नोट्स, जे. बोम. नाट

22. जी डब्ल्यू लक, जी.सी. डेली और पी.आर. एडर्लिच. (2003). जनसंख्या विविधता और पारिस्थितिकी–तंत्र सेवाएं ।

23. हाल ही में विलुप्त जीवो पर समिति '' व्हाइ केयर एबाउट स्पीशीज़ दैट हैव गोन एक्सटिंक्ट? 30 जुलाई 2006 को यू.आर.एल. अभिगम।

24. डब्ल्यू.आर.टर्नर. के. ब्रैंडन व आर. पोर्टेला. 2007. जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का वैश्विक संरक्षण, बायोसाइन्स ।

25. केविन जे. गास्तों एण्ड जॉन स्पिसर. 2004। ''जैव विविधता; एक परिचय,'' ब्लैकवेल प्रकाशन ।

26. मायर्स एन (1990) '' जैव विविधता चुनौतीः विस्तारित गर्म स्पॉट विश्लेषण'', पयविरणविद् ।

27. कार्यवाही राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, अकादमी, जनगणना समुद्री जीवन के (सी.ओ.एम.एल) के।

28. राव, आर.आर. 1994, ''बायोडाइवर्सिटी इन इंडिया''. बिशन सिंह महेन्द्रपाल सिंह, देहरादून प्रकाशित 315

29. पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी भूगोल (2010) एच.एम. सक्सेना, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर द्वारा प्रकाशित।

30. सैनी डी.सी. और कमलेश आर. (2010), बायोडाइवर्सिटी ऑफ एक्वेटिक एण्ड सेमी–एक्वेटिक प्लान्ट्स ऑफ उत्तर प्रदेश, उत्तर प्रदेश स्टेट बायोडाइवर्सिटी बोर्ड।